Department of Sanskrit and Prakrit Languages
University of Lucknow

दिनाङ्क.........................

आज दिनाङ्क 22/03/2024 को मध्याह्न 12:00 बजे कुलसचिव के पत्र संख्या M-4733, दिनाङ्क 21/02/24 के अनुपालन में पी-एच.डी. कोर्सवर्क एवं स्नातक पाठ्यक्रमों पर विचार करने हेतु संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग में विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक विभागाध्यक्ष कक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें अधोलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अरविन्द अवस्थी, पदेन अध्यक्ष 22/3/24
2. डॉ. अभिमन्यु सिंह, समन्वयक 22/03/2024
3. डॉ. सत्यकेतु 22/3/24
4. डॉ. माण्डवी सिंह 22-3-24
5. डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज (आमन्त्रित सदस्य) 22-3-24
6. डॉ. अशोक कुमार शतपथी (आमन्त्रित सदस्य) 22/3/24
7. डॉ. बृजेश कुमार सोनकर (आमन्त्रित सदस्य) 22/3/24
8. डॉ. गौरव सिंह (आमन्त्रित सदस्य) Gaurav Singh 22/03/24
9. डॉ. ऋचा पाण्डेय (आमन्त्रित सदस्य) Richa 22/03/24

कार्यवृत्त

1. दिनाङ्क - 21/02/2024 को सम्पन्न पूर्व अध्ययन मण्डल की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गयी।
2. Doctor of Philosophy (Ph.D.) Ordinance 2023 के अनुरूप पी-एच. डी. पाठ्यक्रम पर विचार-विमर्श करके सर्वसम्मति से पाठ्यक्रम अनुमोदित कर पारित किया गया।
3. Ordinance for Undergraduate Programmes (2023) (Under NEP 2020 Framework) के अनुरूप स्नातक स्तर पर सञ्चालित संस्कृत तथा प्रायोगिक संस्कृत के पाठ्यक्रमों (मेजर, माइनर, CC, VC) पर विचारोपरान्त संशोधन कर सर्वसम्मति से पाठ्यक्रमों को अनुमोदित कर पारित किया गया।

बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।

Gaurav Singh 22/03/24 22/03/24

22/3/24 माण्डवीसिंह 22-3-24 22-3-24 Richa 22/03/24

पदेन अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता
संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग
कला संकाय
लखनऊ विश्वविद्यालय

22/03/2024
डॉ० अभिमन्यु सिंह
समन्वयक
संस्कृत तथा प्राकृत भाषा-विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

Satyaketu 22/3/24

22/3/24

UNIVERSITY OF LUCKNOW

नूतनशिक्षानीतिः 2020

अनुरूपः

अध्ययनमण्डलसंशोधितः

(22nd March 2024)

चतुर्वर्षीयस्नातक-संस्कृत-पाठ्यक्रमः

(The course of Sanskrit for four year Under Graduate)

According to New Education Policy 2020

संस्कृतप्राकृतभाषाविभागः, लखनऊविश्वविद्यालयः, लखनऊ

संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

विषय - संस्कृत

Year	Sem	Major A (Subject 1) Courses	Credits	Major B (Subject 2) Courses	Credits	Minor (Subject 3) Courses	Credits	CC/VC Courses	Credits	Total Credits	Degree
1	Sem 1	P-1 पद्यसाहित्यम्	4	P-1	4	Q-1 संस्कृतसम्भाषणम्	2	CC-1 संस्कृतप्रबोधः	2	20	CERTIFICATE
		P-2 व्याकरणमनुवादश्च	4	P-2	4						
	Sem 2	P-3 काव्यशास्त्रम्	4	P-3	4	Q-2 काव्यशास्त्रविमर्शः	2	VC-1 संस्कृतकौशलम्	2	20	
		P-4 शब्दानुशासनं निबन्धश्च	4	P-4	4						
2	Sem 3	P-5 नाटकं नाट्यशास्त्रञ्च	4	P-5	4	Q-3 नाटकं गद्यकाव्यञ्च	2	CC-2 संस्कृतशास्त्रपरम्परा	2	20	DIPLOMA
		P-6 रूपसिद्धिर्व्याकरणेतिहासश्च	4	P-6	4						
	Sem 4	P-7 गद्यं चम्पूकाव्यञ्च	4	P-7	4	Q-4 व्याकरणपरिचयः	2	VC-2 नीतिकौशलम्	2	20	
		P-8 पदसिद्धिरुत्तरकाण्डश्च	4	P-8	4						
3	Sem 5	P-9 वैदिकं भारतीयसंस्कृतिश्च	4	P-9	4			Internship/ Term Paper/ Minor Project in Major A (to be decided by student in Semester 5)	4	20	GRADUATION DEGREE
		P-10 रूपकं रससिद्धान्तश्च	4	P-10	4						
	Sem 6	P-11 उपनिषद्वाङ्मयं दर्शनञ्च	4	P-11	4					20	
		P-12 छन्दस्समासश्च	4	P-12	4						
		P-13 A धर्मशास्त्रं नीतिशास्त्रञ्च P-13 B राजतन्त्रमर्थशास्त्रञ्च P-13 C आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्	4								
4	Sem 7	P-14 वैदिकं वेदवाङ्मयञ्च	4							20	GRADUATION HONOURSWITH RESEARCH
		P-15 काव्यं काव्यशास्त्रञ्च	4								
		P-16 दर्शनशास्त्रम्	4								
		P-17 भाषाविज्ञानं व्याकरणञ्च	4								
		P-18 A पालिप्राकृतसाहित्यम् P-18 B संस्कृतं विज्ञानञ्च P-18 C पुराणमितिहासश्च	4								
	Sem 8	P-19 शोधप्रविधिः (Research Methodology)	4					बृहच्छोधपरियोजना अथवा लघुशोधप्रबन्धः	12	20	
		P-20 (Term paper)	4								
Rashtra Gaurav (Compulsory Non credited)**											
Total Credits										160	

Note:

* Students will study courses P-13 to P-20 in the Subject that they choose the continue in year 4.

** All Students will have to pass the Rashtra Gaurav for obtaining certificate, diploma, undergraduate degree or undergraduate honours degree with research, only once.

CC : Co-curricular Course, VC : Vocational Course.

स्नातक-प्रथमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. First Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-1)

(पद्यसाहित्यम्)

Credits-04 **T/04**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सूक्तिसम्पन्नता का सौन्दर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

महाकविकालिदासकृतंकुमारसम्भवम् पञ्चमसर्गः श्लोकाः 1-50

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)

भारविकृतं किरातार्जुनीयम्-प्रथमसर्गः सम्पूर्णः

(मूलपाठस्य संस्कृतभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयो वर्गः (Unit-III)

माघकृत शिशुपालवधम्-प्रथमसर्गः श्लोकाः 1-50

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)

संस्कृतपद्यसाहित्येतिहासः

(वाल्मीकिः, व्यासः, कालिदासः, भारविः, माघः, श्रीहर्षः, कुमारदासः, अश्वघोषः, बिल्हण)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- संस्कृत व्याकरण की परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः) प्रकाश बुक डिपो, लखनऊ
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः), डा. [illegible], परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- शिशुपालवधमहाकाव्यम्, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डा. [illegible], संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
- कालिदास ग्रन्थावली - आचार्य सीताराम चतुर्वेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), पं जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्यम्, अनु. श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- कालिदासमीमांसा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

स्नातक-प्रथमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. First Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् - (P-2)

Credit-04 (व्याकरणमनुवादश्च) **T/04**

Course outcomes: अधिगमप्रतिफल-

- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर अपनी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् कार्यान्वयन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर,व्यंजन एवं विसर्ग सन्धि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

प्रथमो वर्गः(Unit-I)

लघुसिद्धान्तकौमुदी- संज्ञाप्रकरणम्

(इत्-लोप-प्रत्याहार-ह्रस्व-दीर्घ-प्लुत-उदात्त-अनुदात्त-स्वरित-अनुनासिक-सवर्ण-संहिता-संयोग-पदादिसंज्ञा-संपूर्णसंज्ञाप्रकरणम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

लघुसिद्धान्तकौमुदी-अच्सन्धिः

(यण्-अयादि-गुण-वृद्धि-पररूप-दीर्घ-पूर्वरूप-सन्धिगतसूत्राणि तथा प्रकृतिभाव सहितं अच्सन्धिप्रकरणम् सम्पूर्णम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

हिन्दीगद्यस्यसंस्कृतभाषयानुवादः

(राम,हरि (पुल्लिंग), लता, मति (स्त्रीलिंग), फलम् (नपुंसक) तत् (सर्वनाम त्रिषु लिङ्गेषु)

कृ, भू, अस्, पठ् धातूनां पञ्चलकारेषु

कर्तृवाच्य परिचयः, शब्दरूप परिचयः, अस्मद्, युष्मद्

संस्कृतदैनन्दिन व्यवहारः

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

संस्कृतव्याकरणशास्त्रस्येतिहासः

(पाणिनिः, कात्यायनः, पतञ्जलिः, भर्तृहरिः, भोजः, भट्टोजिदीक्षितः, वरदराजः इत्येतेषां परिचयः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज,भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग),भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञासंधिप्रकरण), श्री. [illegible], साहित्य भंडार, मेरठ
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोपालकृष्ण अग्रवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास, युधिष्ठिरमीमांसक, रामलालकपूरट्रस्टसोनीपत

स्नातक-द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Second Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-3)

Credits-04 **(काव्यशास्त्रम्)** **T/04**

Course outcomes: अधिगमप्रतिफल-

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

प्रथमो वर्गः(Unit-I)

साहित्यदर्पणः (प्रथमपरिच्छेदः)

(काव्यलक्षणम्, काव्यप्रयोजनादि परिच्छेदसमाप्तिपर्यन्तम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

साहित्यदर्पणः (द्वितीयपरिच्छेदः)

(वाक्यलक्षणं, महाकाव्यलक्षणं, शब्दशक्तिविमर्शादि विषयः)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

साहित्यदर्पणः (षष्ठपरिच्छेदः)

महाकाव्य-खण्डकाव्य-गद्यकाव्य-चम्पूकाव्यादिनां सभेदलक्षणोदाहरणानि।

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

साहित्यदर्पणः (दशमपरिच्छेदः)

निर्दिष्टाः द्वादशालंकाराः

(अनुप्रास-यमक-श्लेष सभेद, उपमा सभेद, रूपकसभेद, भ्रान्तिमान्, अपह्नुतिः, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, प्रतिवस्तुपमा, दृष्टान्तः, निदर्शना)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- काव्यालोक, (साहित्यदर्पणालोक) व्याख्याकार- डॉ० सुरेश कुमार शुक्ल, राधा बुक डिपो, लखनऊ
- साहित्यदर्पण, विश्वनाथ, चौखम्भा संस्थान, वाराणसी
- संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा संस्थान, वाराणसी
- साहित्यदर्पण, शालिग्रामशास्त्री, मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी।

स्नातक-द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Second Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् (P-4)

Credits-04 **(शब्दानुशासनं निबन्धश्च)** **T/04**

Course outcomes: अधिगमप्रत्यक्षि-

- संस्कृत सन्धियों का सामान्य ज्ञान प्राप्तकर उनकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- व्यंजन एवं विसर्ग सन्धि का विशिष्ट ज्ञान एवं उसके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।
- संस्कृत निबंध लेखन तथा अनुवाद कौशल का विकास होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

लघुसिद्धान्तकौमुदी- हल्सन्धिः

(श्चुत्व-ष्टुत्व-पूर्वसवर्ण-जश्त्व-चर्त्व-अनुस्वार-परसवर्णादि हल् सन्धि प्रकरणम् सम्पूर्णम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

लघुसिद्धान्तकौमुदी- विसर्गसन्धिः

विसर्ग-रुत्व-उत्वादि सन्धिसूत्रसहितं विसर्ग सन्धि प्रकरणं सम्पूर्णम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

हिन्दीगद्यस्यसंस्कृतभाषयानुवादः

(कर्मवाच्य परिचयः)

गुरु, पितृ (पुल्लिंग), नदी, मातृ (स्त्रीलिंग), वारि (नपुंसकलिंग), किम् (सर्वनाम्नः त्रिषु लिङ्गेषु), संख्या- शतम् यावत्
गम्, लभ्, सेव्, यज्, शक्, दा पञ्चलकारेषु

व्यावहारिकशब्दः

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

निबन्ध-लेखनम्

(परोपकारः, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, सत्सङ्गतिः, रम्या रामायणी कथा, गीता सुगीता कर्तव्या, धर्मो रक्षति रक्षितः, वेदानां महत्त्वम्, वेदोऽखिलो धर्ममूलम्)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, अनुवाद, भैमीव्याख्या, भीमसेनशास्त्री (1-6 भाग), भैमीप्रकाशन, दिल्ली
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, [illegible]
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ जीवन चंद्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (सन्धिप्रकरण), डॉ[illegible], साहित्यभंडार, मेरठ
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ.रामकृष्णाचार्य, विनोदपुस्तकमंदिर, आगरा
- [illegible]

स्नातक-तृतीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Third Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-5)

Credits-04 (नाटकं नाट्यतत्त्वञ्च) **T/04**

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा अपने शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उदात्त नागरिक बनेंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-3 अङ्काः)

(मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4-5 अङ्कौ)

(मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6-7 अङ्कौ)

(मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

साहित्यदर्पणस्य षष्ठपरिच्छेदस्य निर्दिष्टाः विषयाः

(रूपकभेदाः, रूपकाणां लक्षणानि, पञ्चसन्धयः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ कपिल देव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ ओम प्रकाश पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान गोरखपुर
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ रमाकान्त त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ ए.बी.कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह
- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धान्त, जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी,
- संस्कृतनाट्यमीमांसा, केशवराव मुसलगांवकर, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली

स्नातक-तृतीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Third Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् (P-6)

Credits-04 (रूपसिद्धव्याकरणेतिहासश्च) **T/04**

Course outcome: अधिगमप्रतिफलम्

- संस्कृत व्याकरण का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत शब्दों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- [illegible] के मूल भेद की समझ का [illegible] की क्षमता उत्पन्न होगी।
- शब्द रचना के विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी- अजन्तपुलिङ्गप्रकरणम्

(सूत्र-व्याख्या)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी- अजन्तपुलिङ्गप्रकरणम्

(रूपसिद्धिः संज्ञापरिचयश्च)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

संस्कृतभाषया निबन्धलेखनम्

(सन्मित्रम्, योगः कर्मसु कौशलम्, मुखं व्याकरणं स्मृतम्, वेदाङ्गानां महत्त्वम्, उपनिषदाम् उपयोगिता, राष्ट्रीय पर्वाणि)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

वामनजयादित्यः, हरदत्तमिश्रः, नागेशभट्टः इत्येतेषामाचार्याणामथ च

कातन्त्र - सरस्वतीकण्ठाभरण – व्याकरणपरिचयः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- मध्यसिद्धान्तकौमुदी व्याख्या (अजन्तप्रकरणम्), डॉ. [illegible], [illegible] केन्द्र, लखनऊ
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, [illegible], प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद चन्द्रिका, डॉ. यदुनन्दन मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- संस्कृत रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेश चंद्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास, युधिष्ठिर मीमांसक, रामलालकपूर ट्रस्ट रेवली
- [illegible]कौमुदी, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- [illegible]चन्द्रिका, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

स्नातक-चतुर्थषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fourth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-7)

Credits-04 **(गद्यं चम्पूकाव्यञ्च)** **T/04**

Course outcomes: अधिगमप्रतिफल-

- [illegible]
- संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा [illegible]।
- संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

कादम्बरी - शुकनासोपदेशः-व्याख्यात्मकमध्ययनम्

(पूर्वार्द्धः- एवं समतिक्रामत्सु...... विनितापि त्रप्यति इति यावत्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

कादम्बरी-शुकनासोपदेशः-व्याख्यात्मकमध्ययनम्

(उत्तरार्धः- एवं विधयापि चानया दुराचारया..... स्वभवनमाजगाम इति यावत्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

शिवराजविजयम्-प्रथमो निःश्वासः

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

नलचम्पू- प्रथम उच्छ्वासः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- शुकनासोपदेश, व्याख्याकार, (डॉ.) [illegible] द्विवेदी, [illegible] प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण 1986-87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, डॉ. [illegible] कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेश (कादम्बरी), डॉ. [illegible] चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास कृत, [illegible] शास्त्री [illegible] प्रकाशन, आगरा
- शिवराजविजयम्, डॉ रमा शंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ [illegible] नारायण मिश्र, साहित्य भंडार, मेरठ
- नलचम्पू त्रिविक्रमभट्ट, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ [illegible] चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी

स्नातक-चतुर्थषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fourth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् (P-8)

Credits-04 (पदसिद्धिकृत्प्रत्ययाश्च) **T/04**

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत शब्द रचना का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी- अजन्तप्रकरणम् (स्त्रीलिङ्गम्),

(सूत्र-व्याख्या, रूपसिद्धि संज्ञापरिचयश्च)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी - अजन्तप्रकरणम् (नपुंसकलिङ्गम्),

(सूत्र-व्याख्या, रूपसिद्धि संज्ञापरिचयश्च)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

कृदन्तप्रकरणम् (ल.सि.कौ.) पूर्वकृदन्तम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

कृदन्तप्रकरणम् (ल.सि.कौ.) उत्तरकृदन्तम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- मध्यसिद्धान्तकौमुदी व्याख्या (अजन्तप्रकरणम्), डॉ. सुरेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- लघु सिद्धान्त कौमुदी, व्याख्या, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धान्त कौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धान्त कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन
- लघु सिद्धान्त कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- कृदन्तसूत्रावली, सुरेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- शब्दरूपकौमुदी, गणेशदत्त शास्त्री पुलस्त्यकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

22/03/2024

22/03/24

22.3.24

Richa 22/03/24

22/3/24

22/3/24

22-3-24

22/03/24

स्नातक-पञ्चमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Fifth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-9)

Credits-04 **(वेदो भारतीयसंस्कृतिश्च)** T/04

Course outcomes: [illegible]

- वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- वैदिक एवं भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा।
- वैदिक ऋषियों एवं सूक्तों के माध्यम से आचरण का आत्मीकरण होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

अग्निसूक्तम् (ऋ. 1.1), पुरुषसूक्तम् (ऋ. 10.90), (वेदसूक्तद्वयम्)

(मन्त्रव्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

शिवसङ्कल्पसूक्तम् (यजु. 34), भूमिसूक्तम् (12.1 इत्यस्य विंशतिः प्रश्नाः) (वेदसूक्तद्वयम्)

(मन्त्रव्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

मेधासूक्तम् (यजु. 23 इत्यस्य 13-16 मन्त्राः, संगठनसूक्तम् (ऋ. 10.191)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

भारतीयसंस्कृतिः

(वेदेषु विज्ञानम्, पुरुषार्थचतुष्टयम्, वर्णाश्रमधर्माः, संस्काराश्च)

सन्दर्भ-ग्रन्थाः

- ऋक्-सूक्तसंग्रह, [illegible] पाण्डेय, भारतीय संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
- ऋग्वेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- यजुर्वेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- अथर्ववेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- श्रुतिमन्थन (वेदसूक्तसंकलनम्), सम्पादक- प्रो [illegible], [illegible] बुक डिपो, लखनऊ
- वेदसूक्तसंग्रह, डा. [illegible], [illegible], लखनऊ
- हिन्दू संस्कार- डा. राजबली पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी. वी. काणे, उ.प्र हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- वैदिक सृष्टि उत्पत्ति रहस्य, डा. [illegible], वैदिक प्रकाशन, इलाहाबाद
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भे समालोचनात्मिका- प्रो [illegible], प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली
- [illegible], डा. [illegible], [illegible], दिल्ली
- वेद विज्ञान एवं [illegible], डा. [illegible], राका प्रकाशन, इलाहाबाद
- वैदिकसाहित्यका इतिहास, [illegible], चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- वैदिकसूक्तसंग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास, NCERT, नई दिल्ली।
- The New Vedic Selection, Part-1, Braj Bihari Chaubey, Bharatiya Vidya Prakashan, Varanasi.

स्नातक-पञ्चमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Fifth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – (P-10)

Credits-04 (रूपकं रससिद्धान्तश्च) **T/04**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि:

- संस्कृत नाट्य साहित्य को [illegible] में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर, [illegible]

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

भवभूतिकृतम्- उत्तररामचरितम् (1-2 अङ्कौ)

(मूलपाठस्य हिन्दीसंस्कृतव्याख्या)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

भवभूतिकृतम्- उत्तररामचरितम् (3-4 अङ्कौ)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

उत्तररामचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

रसस्वरूपः तद्भेदाश्च

(साहित्यदर्पणस्य तृतीयपरिच्छेदस्थः)

सहायक-ग्रन्थाः

- उत्तररामचरितम् भवभूति हिन्दीसंस्कृतटीकाकार - डॉ. [illegible]
- उत्तररामचरितम् भवभूति हिन्दीसंस्कृतटीकाकार डॉ. [illegible]
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ. ए.बी. कीथ, अनुवादक [illegible]
- संस्कृत साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धान्त, [illegible]
- संस्कृत साहित्य का इतिहास [illegible], वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- दशरूपकम् [illegible] चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत नाट्य [illegible] खण्ड-1, खण्ड-2 [illegible], दिल्ली
- भवभूति, [illegible], दिल्ली
- साहित्यदर्पण, [illegible], वाराणसी।
- साहित्यदर्पण, P.V. Kane, MLBD Publication

22/03/2024 22.3.24 Richa 22/03/24 22/3/24 22/3/24 22/03/24

स्नातक-पञ्चमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Fifth Semester)

विषय - संस्कृत

Credits-04

Internship/ Term Paper/ Minor Project in Major A

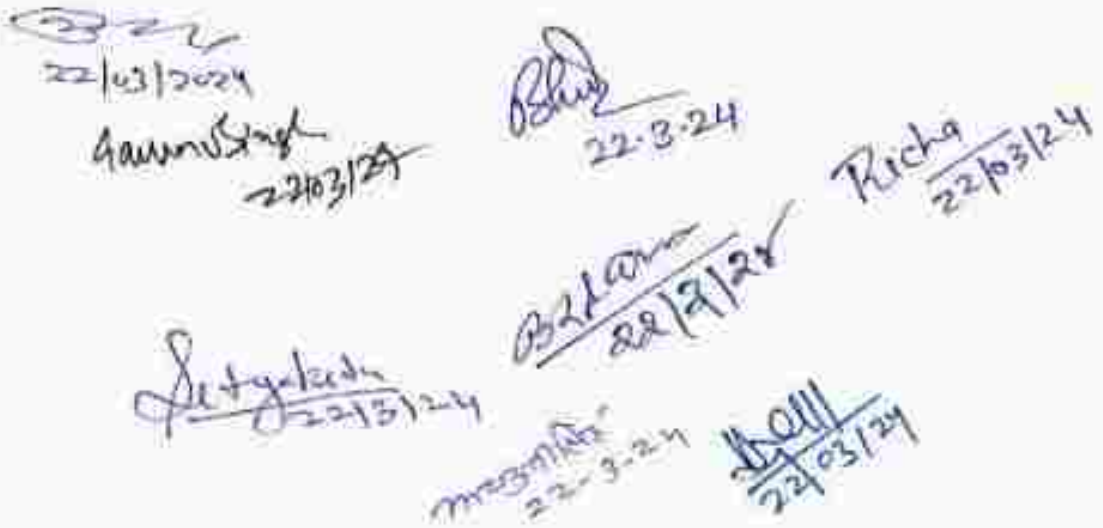

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Sixth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-11)

Credits-04 (उपनिषद्वाङ्मयं दर्शनञ्च) **T/04**

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गहन बोध होगा।
- वैदिक संहिताओं एवं सूक्तों के माध्यम से आचरण का उपयोगिता होगा।
- उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं विशिष्ट उपदेशों का अवलोकन होगा।
- औपनिषदिक कर्म, ज्ञान, भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
- वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत मूल्यों का बोध होगा।
- दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- दर्शन में निहित नैतिक एवं व्यावहारिक तत्त्वों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- भारतीय दर्शन में निहित संदेशों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

कठोपनिषद् - प्रथमोऽध्यायः - प्रथमावल्ली

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

कठोपनिषद् - प्रथमोऽध्यायः (2-3 वल्ली),

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

तैत्तिरीयोपनिषद् शिक्षावल्ली

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

तर्कसंग्रहः - द्रव्य-गुणनिरूपणम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- तर्कसंग्रह, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- कठोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) [illegible] द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- श्रीमद्भगवद्गीता (व्या०) [illegible], दिल्ली
- श्रीमद्भगवद्गीता, श्री कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. कर्ण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ,
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. रामसूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, मथुरा
- भारतीय दर्शन, वाचस्पति चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. दासगुप्त (अनु) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजु गुप्ता एवं सुखवीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- वैदिक साहित्य का इतिहास, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- [illegible], वाराणसी
- तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- तैत्तिरीयोपनिषद्, Ramakrishna Mission, Kolkata.

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Sixth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – (P-12)

Credits-04 | **(छन्दस्समासश्च)** | **T/04**

Course outcomes: अधिगमप्रतिफल

- संस्कृत समास का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उनकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत छंदों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- संस्कृत छंदों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उनकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

लघुसिद्धान्तकौमुदी-अव्ययीभावः तत्पुरुषश्च

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

लघुसिद्धान्तकौमुदी-द्वन्द्वः बहुव्रीहिसमासश्च

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

वृत्तसंग्रहः(आर्या-अनुष्टुप-मन्दाक्रान्ता-इन्द्रवज्रा-उपेन्द्रवज्रा,उपजाति,भुजङ्गप्रयात छन्दसांलक्षणोदाहरणम्)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

वृत्तसंग्रहः (वृत्तसंग्रहस्य अन्येषां छन्दसां लक्षणमुदाहरणञ्च)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघु सिद्धान्त कौमुदी, [illegible], भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धान्त कौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
- वृत्तसंग्रह- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, [illegible] बुक डिपो, लखनऊ
- वृत्तरत्नाकर, श्री केदारभट्ट, (व्या.) बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- छन्दोऽलङ्कारसौरभम्, डॉ. कामिनी गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- छन्दोऽलङ्कारसौरभम्, प्रो. राजेन्द्र मिश्र, अक्षय वट प्रकाशन

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Sixth Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् (P-13-A)

Credits-04 **(धर्मशास्त्रं नीतिशास्त्रञ्च)** **T/04**

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक धर्मशास्त्र एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आत्मानुशासित बनाने में समर्थ होंगे।
- भारतीय कर्मकांड के प्रायोगिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यावहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
- सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

मनुस्मृतिः द्वितीयोऽध्यायः (1-30 श्लोकपर्यन्तम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

मनुस्मृतिः द्वितीयोऽध्यायः (31-60 श्लोकपर्यन्तम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

भर्तृहरिकृतं नीतिशतकम् (01-25 पद्यानि)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

भर्तृहरिकृतं नीतिशतकम् (26-50 पद्यानि)

संस्तुतग्रन्थाः -

- मनुस्मृतिः चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- नीतिशतकम् मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
- धर्मशास्त्र का इतिहास पी.वी. काणे उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- [illegible] डा. प्रकाशनारायण मिश्र, संस्कृतविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) मालिनी गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, सतीश आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- नीतिशतकम्, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Sixth Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् (P-13-B)

Credits-04 **(राजतन्त्रमर्थशास्त्रञ्च)** **T/04**

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- विद्यार्थी भारतीय प्राचीन राजतन्त्र एवं राजनैतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- राजनीति विषयक धर्म विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

विद्यासमुद्देशः ॥1॥ वृद्धसंयोगः ॥2॥ इन्द्रियजयः ॥3॥ अमात्योत्पत्तिः ॥4॥
मन्त्रिपुरोहितोत्पत्तिः ॥5॥ उपधाभिः शौचाशौचज्ञानममात्यानाम् ॥6॥

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

गूढपुरुषोत्पत्तिः ॥7॥ गूढपुरुषप्रणिधिः ॥8॥ स्वविषये कृत्याकृत्यपक्षरक्षणम् ॥9॥
परविषये कृत्याकृत्यपक्षोपग्रहः ॥10॥ मन्त्राधिकारः ॥11॥ दूतप्रणिधिः ॥12॥

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

मनुस्मृतिः 08/2-25 श्लोकाः

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

मनुस्मृतिः 08/26-50 श्लोकाः

सन्दर्भ-ग्रन्थाः

- अर्थशास्त्रम्, कौटिल्य, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- मनुस्मृतिः, मनु, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- याज्ञवल्क्यस्मृतिः-याज्ञवल्क्यः, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- धर्मशास्त्र का इतिहास पी वी काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- शुक्रनीति शुक्राचार्य, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- विदुरनीति विदुर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) कामिनी गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, प्रवीर आचार्य, [illegible] भारती प्रकाशन, गोरखपुर

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Sixth Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् (P-13-C)

Credits-04 (आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्) **T/04**

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- आधुनिक संस्कृत कवियों से सुपरिचित होंगे।
- नवीन विमर्शविचारों एवं नवीन विधाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य के बाल साहित्य से परिचित होकर संस्कृत शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणात्मक तत्त्वों से आत्मोत्थान की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित आदर्शों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

कविलोचनिका-प्रथमो भागः - वार्तीविच्छित्तिः, कज्जलं मामवेहि, विपत्रितेयं जीवनलतिका, तदेवगगनं सैव धरा, रोटिकालहरी, नौकामिह सारं सारम्, (व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

कविलोचनिका-द्वितीयो भागः- जयतु मम स्वातन्त्र्यसरणिः, नैव यूकस्तु कर्णेषु नो रिङ्गति, तन्मनो भारतीयं कथं कल्पताम्, न भारतं विकीर्यताम् कापिशायनी, स्त्री, (व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

सुधाभोजनम्, मण्डूकप्रहसनम्

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

आधुनिकसंस्कृतसाहित्येतिहासः

(पद्यसाहित्यम्, गद्यसाहित्यम्)

सन्दर्भ-ग्रन्थाः

- कविलोचनिका (अद्यतनकविता सङ्कलनम्) प्रो॰ सुरेशकुमारशुक्ल, राधा बुक डिपो, लखनऊ
- सुधा भोजनम्- प्रो. आशीष कुमार मालवीय, अखिलभारतीय संस्कृत परिषद् लखनऊ
- मण्डूकप्रहसनम् सम्पादक प्रो॰ सुरेशकुमारशुक्ल, राधा बुक डिपो, लखनऊ
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, सप्तम खंड आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण
- आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूची, (संपादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजु लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-14)

Credits-04 **(वेदो वेदवाङ्मयञ्च)** **T/04**

Course outcomes:

After completion of the Paper the students

- will know about the nature, action and representation of some Vedic deities.
- will be able to explain meaning of the Vedic hymns according to some famous commentaries of ancient and modern commentators.
- will try to recite Vedic mantras in their true form with the knowledge of Vedic Svara and grammar.
- will be able to understand Vedas as our valuable ancient heritage.
- will be successful in applying this knowledge for exploring other Vedic texts.
-

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

ऋग्वेदः - अग्निमारुतसूक्तम् 1.19, वरुणसूक्तम् 1.25, सूर्यसूक्तम् 1.115, विष्णुसूक्तम् 1.154, इन्द्रसूक्तम्2.12, इत्येतेषां मन्त्राणां व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

सामवेदः - यज्ञायज्ञीयसूक्तम् 1.4, अथर्ववेदः मेधाजननसूक्तम् 1.1, राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् 1.29, राष्ट्रसभासूक्तम् 7.12, सामनस्यसूक्तम् 3.30, इत्येतेषां मन्त्राणां व्याख्यात्मकमध्ययनम्

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

पदपाठनियमाः वैदिकव्याकरणञ्च

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- ऋक्सूक्तसंग्रहः - डॉ. [illegible] शास्त्री साहित्य भंडार, मेरठ
- [illegible]
- वेदसूक्तमंजूषिका - डा. [illegible]
- वैदिक व्याकरण- डॉ. रामगोपाल
- वैदिक साहित्य और संस्कृति - प्रो. बलदेव उपाध्याय चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का बृहद् इतिहास-डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास वेदखण्ड-प्रो. ओम् प्रकाश पाण्डेय, उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् (P-15)

Credits-04 (काव्यं काव्यशास्त्रञ्च) **T/04**

Course outcome:

After completion of the Paper the students

- will know about the rich Sanskrit literary tradition.
- will be able to appreciate the aesthetical, political, social, cultural values expressed in prescribed literary composition.
- will form a deep understanding of the fundamental terminologies of Kavya as presented by Mammata.
- will acquire an in-depth knowledge of the theories of meaning, the importance of suggestive meanings and rasa in poetry.
- will be successful in applying this knowledge for critical analysis in the light of suggestive meanings.
- will gain the ability to explaining and critically analyzing the prescribed texts.
- will be able to appreciate and enjoy the expressions of poetry.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः) 1-35 श्लोकपर्यन्तं व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः) 36-70 श्लोकपर्यन्तं समीक्षात्मकमध्ययनम्

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

नैषधीयचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

काव्यप्रकाशः (1-3 उल्लासाः) मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- नैषधीयचरितम् नारायणीटीकोपेतम्-उत्तर प्रदेश संस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ
- नैषधीयचरितम्-शेषराज शर्मा रेग्मी
- नैषधपरिशीलनम्- डॉ. चण्डिका प्रसाद शुक्ल
- काव्यप्रकाशः वामनझलकीकरटीकोपेतः
- काव्यप्रकाशः - हिन्दीव्याख्याकारः, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
- काव्यप्रकाशः - डॉ. [illegible]
- संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास - पी. वी. काणे

22/03/2024 22/03/24 22.3.24 22/03/24

22/3/24 22/3/24 Richa 22/03/24

22-3-24

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् (P-16)

Credits-04 (दर्शनशास्त्रम्) **T/04**

Course outcome:

After completion of the Paper the students

- will be able to critically analyze and examine the fundamental concepts of Nyaya Philosophy.
- will be able to understand and explain the prescribed text and the conceptual terms therein.
- will be able to critically analyze the prescribed theories.
- able to know the scientific approach of Nyaya-Vaisheshika philosophers in the analysis of the phenomenal world and its process of evolution.
- understand the contribution of Nyaya-Vaisheshika philosophers in the epistemological studies, application of which is very important in the day to day life situations, helping them in the proper judgment of the Truth.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

तर्कभाषा- आदित प्रमाणप्रकरणसमाप्ति यावत्, मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

तर्कभाषा- प्रमेयनिरूपणादारभ्य ग्रन्थसमाप्तिपर्यन्तम्,

मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी 1-25 कारिका- मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी 26-50 कारिका:-मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

संस्तुत-ग्रन्था:

- तर्कभाषा-केशवमिश्र, आचार्यविश्वेश्वर, चौखम्भा संस्कृतसंस्थान, वाराणसी
- तर्कभाषा-गजाननशास्त्री मुसलगांवकर चौखम्भा संस्कृतसंस्थान, वाराणसी
- सांख्यतत्त्वकौमुदी, आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- सांख्यतत्त्वकौमुदी, गजाननशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- भारतीयदर्शन-उमेशमिश्र: उ.प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- भारतीयदर्शन- डॉ. राधाकृष्णन्, राजपाल एण्ड संस दिल्ली
- भारतीयदर्शन-चटर्जी एवं दत्त पुस्तक भंडार पटना
- भारतीय दर्शन विशद विवेचन, डा. नीता शुक्ला, पुस्तक पब्लिकेशन्स आगरा
- तर्कभाषा, डा. नीता शुक्ला, पुस्तक पब्लिकेशन्स, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) [illegible] द्विवेदी, वाराणसी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामनाथ त्रिपाठी, भारती मंदिर, मथुरा;
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु०) कला नाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजु गुप्त एवं सुखवीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (P-17)

Credits-04 **(भाषाविज्ञानं व्याकरणञ्च)** **T/04**

Course outcome:

After completion of the Paper the students

- will be able to observe and analyse Sanskrit language with reference to the development's taken place with the advent of modern linguistics.
- understand the basic concepts of historical linguistics and we'll know the rules of language change and their application in Sanskrit.
- will be able to observe and appreciate the contribution of the ancient Indian philosophy of language and linguistic.
- will be able to understand the important relevant and their purposes of the study grammar.
- will be able to understand the nature of the word, meaning and their relation.
- will be able to understand the Sphota theory of the grammarians.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

सिद्धान्तकौमुदी- कारकप्रकरणम्

(प्रथमाविभक्तिः)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

भाषाविज्ञानस्य भाषिकरूपं भाषिकदृष्टयश्च लोक-भाषाभाषा,

ऐतिहासिक-समसामयिक-रचनात्मक-प्रजनक-सम्प्रेषणात्मिका भाषादृष्टयः

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

भाषाविज्ञानस्य शाखा - ध्वनिविज्ञानम्,

रूपविज्ञानम्, पदवाक्यविज्ञानमर्थविज्ञानञ्च

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

संस्कृतभाषाविज्ञानम् - उपभाषास्वरूपम् -

पालिः - प्राकृतमपभ्रंशश्च, वैदिकभाषा – लौकिकसंस्कृतञ्च

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघु सिद्धांत कौमुदी, व्याख्याता, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ. [illegible] चन्द्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- सिद्धांत कौमुदी, [illegible] झा, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

पंचमप्रश्नपत्रम् (P-18-A)

Credits-04 **(पालिप्राकृतसाहित्यम्)** **T/04**

Course outcome:

After completion of the paper,

- the Students will learn the basics of Pali grammar and vocabulary through direct study of selections from the Buddha's discourses.
- It thus aims to enable students to read the Buddha's discourses in the original as quickly as possible. The textbook for the course is Dhammapada which includes.
- the students will know the relation between Sanskrit and Pali Language.
- the students will enable to read ancient Buddhist scriptures.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

धम्मपदम् (1-10 वग्गाः) मूलपाठस्य व्याख्यात्मकाध्ययनम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

कर्पूरमंजरी-मूलपाठस्य व्याख्यात्मकाध्ययनम्

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

ग्रन्थद्वयस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

पालिप्राकृतव्याकरणाभ्यासः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- धम्मपदं-व्याख्याकार कन्हैया लाल गुप्त, प्रका. चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- धम्मपद - सम्पा. भिक्षु धर्मरक्षित, प्रका. मास्टर खेलाड़ीलाल संकटा प्रसाद, संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी-1
- कर्पूरमञ्जरी-व्याख्या: रामकुमार आचार्य, प्रका.चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- कर्पूरमञ्जरी-व्याख्या: चुन्नीलाल शुक्ल, प्रका. साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
- पालि व्याकरण- भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
- प्राकृत प्रकाश-वररुचि, प्रका. चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- पालि प्रबोधिका-डा. कोमलचन्द्र जैन, प्रका. तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
- प्राकृत दीपिका-डा. सुदर्शन लाल जैन, प्रका. पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी
- पालि-प्राकृत-अपभ्रंश संग्रह- रामअवध पाण्डेय, रविनाथ मिश्र, प्रका. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester-optional)

पञ्चमप्रश्नपत्रम् (P-18-B)

Credits-04 **(संस्कृतं विज्ञानञ्च)** **T/04**

Course outcome:

After the completion of this the course students

- will be able to know the importance of the ancient mathematics, astronomy and architecture science.
- will be able to know significance of the ancient Physics, Chemistry and Military science in Sanskrit.
- will be able to know the Ayurveda, Botany and Zoology in Sanskrit literature.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

संस्कृतवाङ्मये गणित-ज्योतिष-वास्तुप्रबन्धविज्ञानम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

संस्कृतवाङ्मये भौतिकी-अभियान्त्रिकी-रसायन-कृषि-आयुर्विज्ञान-सैन्यविज्ञानञ्च

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

संस्कृतसाहित्याभिमतं भूगर्भ-वनस्पति-प्राणिशास्त्रम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

संस्कृताध्ययने संगणकीयप्रयोगः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- वैदिक सृष्टि उत्पत्ति रहस्य, डॉ. [illegible], वैदिकप्रकाशन, इलाहाबाद
- ज्योतिर्विज्ञानस्पर्शे शास्त्रालोचनिका- प्रो. कृष्ण कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली
- संस्कृतवाङ्मय में विज्ञान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
- वेद विज्ञान एवं ब्रह्माण्ड, [illegible], [illegible] प्रकाशन, इलाहाबाद
- संस्कृत कम्प्यूटर, डॉ. केशव चन्द्र दाश, प्रतिभा प्रकाशन

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

पंचमप्रश्नपत्रम् (P-18-C)

Credits-04 **(पुराणमितिहासश्च)** **T/04**

Course outcome:

After the completion of this the course students

- will be able to learn about the behavioural values, ethics and belief patterns through the individual characters of the epics.
- will be able to explain the aesthetic and poetic beauty and style of presentation of the texts of Ramayana and Mahabharata.
- will get the knowledge of the historic value of Ramayana and Mahabharata.
- will learn about the social, economic, geographical, political, philosophical and educational aspects of Ramayana and Mahabharata.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

रामायणमहाभारतयोः अध्यायक्रमः, पात्राणि, कालक्रमः, संस्करणानि, टीकाश्च

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

महापुराणानां परिचयः, पुराणलक्षणं भेदाश्च

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

रामायणम् – युद्धकाण्ड 18 वां सर्ग

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

विदुरनीतिः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- पुराण-विमर्श - बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- पुराणपरिशीलनम्- प्रो० ब्रजेशकुमारशुक्ल: नाग प्रकाशन, दिल्ली
- श्रीमद्रामायणम्-गीताप्रेस, गोरखपुरम्
- श्रीमन्महाभारतम् - गीताप्रेस, गोरखपुरम्
- विदुरनीति, गीताप्रेस, गोरखपुर
- [illegible]

स्नातक-अष्टमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Eighth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-19)

Credits-04 **(शोधप्रविधिः)** **T/04**

(Research Methodology)

Course outcome:

After the completion of this the course students

- will be able to recognize research issues, problems and queries and appropriate methodology.
- will be able to evolve the skills required to arrange the research, examine, and present the findings in their thesis.
- will have understand about the publication ethics and publication misconducts.

प्रथमोवर्गः

अनुसन्धान सम्प्रत्ययः, परिभाषाः, पर्यायाश्च ।

अनुसन्धानभेदाः – (मौलिक-व्यवहृत-क्रियात्मकञ्च)

द्वितीयोवर्गः

शोधपरिसरः, शोधस्य प्रकाराः (गुणात्मकं मात्रात्मकञ्च अनुसन्धानम्), शोधसोपानानि ।

तृतीयोवर्गः

शोधविषयनिर्वाचनम् । शोधपरिकल्पनाः, चराणां परिचयः । प्रदत्तांशानां सङ्कलनं तेषां प्रकाराश्च । समस्या चयनं सीमाङ्कनञ्च ।

चतुर्थोवर्गः

शोधसाधनानि, शोधे सङ्गणकसम्प्रयोगाः, सूचनासम्प्रेषणप्रविधयः ।

संस्तुत ग्रन्थाः

- साहित्यानुसन्धानशोधप्रविधि:, प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी
- संस्कृतशोधप्रविधि:, डॉ. सत्यनारायण आचार्य
- शोध और समीक्षा, डॉ. परमेश्वरीलाल गुप्त
- अनुसन्धान स्वरूप और आयाम, सं. डॉ. उमाकान्त गुप्त, डॉ. कमलेश जोशी
- अनुसन्धान प्रविधि – सिद्धान्त और प्रक्रिया, एस.एन. गणेशन
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान – डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र एवं डॉ. राजेश्वकुमारी मिश्रा

22/03/2024

22.3.24

Richa 22/03/24 Kamal Shah 22/03/24

22/03/24

22/3/24

22/3/24

22-3-24

स्नातक-अष्टमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Eighth Semester)

(प्रश्नपत्रम् P-20)

Credits-04 **(TERM PAPER)**

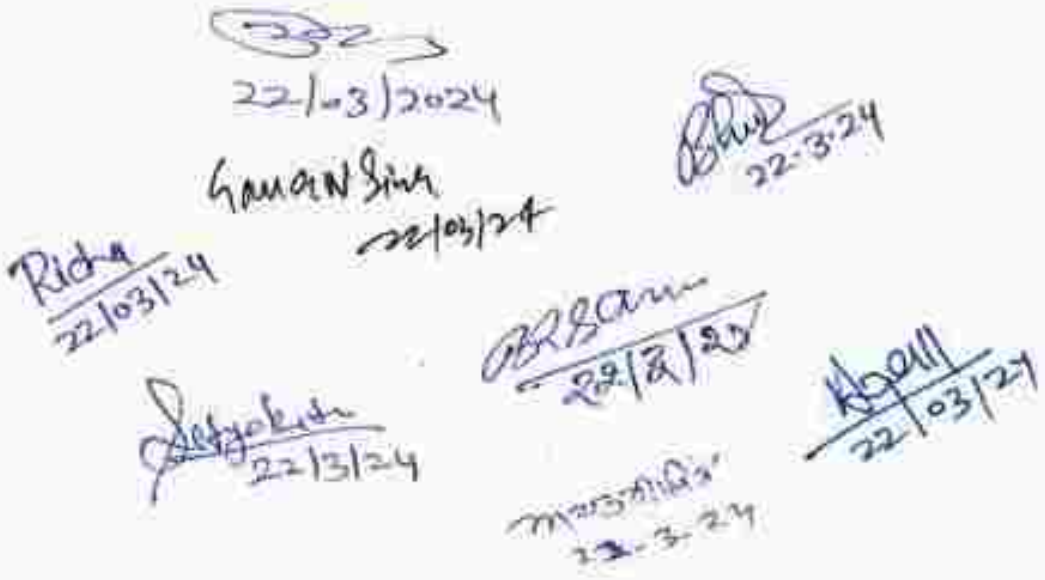

स्नातक-अष्टमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Eighth Semester)

बृहच्छोधपरियोजना लघुशोधप्रबन्धो वा

(Major Project)

Credits-12 **Research Project**

संस्कृतसाहित्यमधिकृत्य अनुसन्धानात्मिका बृहत्परियोजना

शोधप्रकल्पश्चास्मिन् सत्रे परिकल्पितं वरीवर्ति।